

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,  
अपर मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
मत्स्य विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 06 मई, 2016

विषय—

वित्तीय वर्ष 2016-17 में वर्ष के प्रथम 04 माहों हेतु अनुसूचित जनजाति के लिये ट्राईबल सब प्लान के वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-128/वा०यो०(TSP)/2016-17, दिनांक 30 अप्रैल, 2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मत्स्य विभाग की अनुसूचित जनजातियों का कल्याण योजनान्तर्गत मत्स्य विभाग की अनुसूचित जनजाति उपयोजना मद में वित्तीय वर्ष 2016-17 में वर्ष के प्रथम 04 माहों हेतु लेखानुदान से प्राविधानित कुल ₹० 20.00 लाख की धनराशि के सापेक्ष ₹० 20.00 लाख (₹० बीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार प्रदान करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31.03.2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. निदेशक, मत्स्य द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि को संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार वितरित करत हुये आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा शासन को अवगत कराया जायेगा।
3. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो समक्ष अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जायेगा।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-08 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति प्राप्त होने के उपरान्त ही अगली किश्त जारी की जायेगी एवं लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
6. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं कय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

7. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी व कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा, ताकि मासिक आधार पर व्यय की सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लिया जा सकेगा।
8. किसी भी कय/विकय हेतु प्रोक्चोरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी०जी०एस०एन०डी० की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा।
9. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेगा।
10. योजना के सम्बन्ध में **उपयोगिता प्रमाण पत्र फोटोग्राफ** सहित शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोजनागत-796-जन जाति क्षेत्र उपयोजना-03-राजि, थारु एवं बोक्सा जनजातियों के लिए फिश फार्मिंग-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश के संख्या-490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(**डॉ० रणबीर सिंह**)  
अपर मुख्य सचिव

संख्या-183 (1)/XV-3/2016-01(27)/2005(TSP), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. वित्त अनुभाग-4, /नियोजन विभाग/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(**महावीर सिंह चौहान**)  
उप सचिव

शासनादेश सं०-182/XV-3/2016-1(27)/2005 (TSP), दिनांक 06 मई, 2016 का संलग्नक

1. जनजाति उपयोजना (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के प्रथम 04 माहों हेतु वित्तीय लक्ष्यों का जनपदवार निर्धारण

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	जनपद	मैदानी तालाब निर्माण (यूनिट 0.20 हैक्टे.)	पर्वतीय तालाब निर्माण (यूनिट 0.01 हैक्टे.)	प्रचार-प्रसार एवं साहित्य वितरण
1.	चमोली	-	2.10	-
2.	देहरादून	0.49	3.36	-
3.	पिथौरागढ़	-	2.52	-
4.	बागेश्वर	-	2.10	-
5.	उधमसिंह नगर	6.86	-	-
6.	नैनीताल	-	2.52	-
7.	मत्स्य निदेशालय	-	-	0.05
	<b>योग</b>	<b>7.35</b>	<b>12.60</b>	<b>0.05</b>

2. जनजाति उपयोजना (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के प्रथम 04 माहों हेतु भौतिक लक्ष्यों का जनपदवार निर्धारण :-

क्र० सं०	जनपद	मैदानी तालाब निर्माण (यूनिट 0.20 हैक्टे.)	पर्वतीय तालाब निर्माण (यूनिट 0.01 हैक्टे.)	प्रचार-प्रसार एवं साहित्य वितरण
1.	चमोली	-	05 यूनिट (0.05 हैक्टे.)	योजना अन्तर्गत मत्स्य पालन सम्बन्धी साहित्य, बैनर, फ्लैक्स बैनर एवं अन्य की व्यवस्था
2.	देहरादून	01 यूनिट (0.20 हैक्टे.)	08 यूनिट (0.08 हैक्टे.)	
3.	पिथौरागढ़	-	06 यूनिट (0.06 हैक्टे.)	
4.	बागेश्वर	-	05 यूनिट (0.05 हैक्टे.)	
5.	उधमसिंह नगर	14 यूनिट (2.80 हैक्टे.)	-	
6.	नैनीताल	-	06 यूनिट (0.06 हैक्टे.)	
7.	मत्स्य निदेशालय	-	-	
	<b>योग</b>	<b>15 यूनिट (3.00 हैक्टे.)</b>	<b>30 यूनिट (0.30 हैक्टे.)</b>	

(डॉ० रणबीर सिंह)  
अपर मुख्य सचिव

